RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित होता दैनिक

वर्ष : 14
अंक : 329
दि. 01.04.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

वित्त मंत्री 1 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में 'नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच' पोर्टल की शुरुआत करेंगी

(जीएनएस)।

नीति आयोग ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर एक पोर्टल बनाया है। यह लगभग 30 वर्षों (अर्थात 1990-91 से 2022-23) की अवधि के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजकोषीय मापदंडों, शोध रिपोर्टों, शोधपत्रों और राज्य वित्त पर विशेषज्ञ टिप्पणियों पर डेटा का एक व्यापक भंडार है। माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण 1 अप्रैल, 2025 को नई दिल्ली में "नीति एनसीएईआर राज्य आर्थिक मंच" पोर्टल की शुरूआत करेंगी।

पोर्टल के चार मुख्य घटक हैं:

राज्य रिपोर्ट - 28 भारतीय राज्यों के समग्र और राजकोषीय स्थिति का सारांश, जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक और राजकोषीय संकेतकों पर आधारित।

डेटा संग्रह - पांच क्षेत्रों अर्थात जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, राजकोषीय, स्वास्थ्य और शिक्षा में वर्गीकृत संपूर्ण डेटाबेस तक सीधी पहुंच प्रदान करता है।

राज्य का राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड - समय के साथ प्रमुख आर्थिक चरों का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व प्रदर्शित करता है और डेटा परिशिष्ट के माध्यम से अपरिष्कृत डेटा या सारांश तालिकाओं के माध्यम से अतिरिक्त जानकारी तक त्वरित पहुंच प्रदान करता है।

अनुसंधान एवं टिप्पणी - राज्य वित्त तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय नीति एवं वित्तीय प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक अनुसंधान पर आधारित है।

पोर्टल समग्र, राजकोषीय, जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक रुझानों को समझने में सहायता करेगा; इस पर आसानी से डेटा उपलब्ध होगा और यह उपयोगकर्ता के अनुकूल प्रारूप तथा एक ही स्थान पर समेकित क्षेत्रीय डेटा की आवश्यकता को भी पूरा करेगा। यह प्रत्येक राज्य के डेटा को अन्य राज्यों और राष्ट्रीय आंकड़ों के साथ संदर्भ में भी मदद करेगा। यह नीति निमार्ताओं, शोधकताओं और अन्य लोगों को जानकारी और चचाओं के लिए डेटा का उल्लेख करने में रुचि रखने के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा।

यह पोर्टल एक व्यापक शोध केंद्र के रूप में काम करेगा, जो गहन शोध अध्ययनों के लिए डेटा और विश्लेषणात्मक उपकरणों का भंडार होगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मध्य प्रदेश के भोपाल में 'सदाकाळ गुजरात' कार्यक्रम का उद्घाटन किया

मध्य प्रदेश के राज्यपाल तथा उप मुख्यमंत्री की विशेष उपस्थिति

गुजराती फूड फेस्टिवल का उद्घाटन

प्रवासी भारतीय गुजराती प्रभाग के राज्य मंत्री हर्ष संघवी 'सदाकाळ गुजरात' में सहभागी हुए

मुख्यमंत्री ने विकास के रोल मॉडल गुजरात की प्रभावी विकास गाथा प्रस्तुत की

गुजरात नए उभरते क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर ग्रीन गोथ सहित अनेक सेक्टर में लीड लेने को सज्ज है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 31 मार्च : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को मध्य प्रदेश में राजधानी भोपाल में 'सदाकाळ (सदाकाल) गुजरात' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि गुजरात केवल चार अक्षरों का शब्द न रहते हुए सर्वांगीण विकास का पर्याय बन गया है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी, वॉटर ग्रिड, गैस ग्रिड इन्फ्रास्ट्रक्चर में अग्रसर गुजरात नए युग के उभरते क्षेत्रों सेमीकंडक्टर ग्रीन ग्रोथ आदि में भी लीड लेने को पूरी तरह सज्ज है।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में बसे 2000 से अधिक गुजराती परिवारों के समक्ष इस 'सदाकाळ गुजरात' कार्यक्रम में राज्य के विकास की प्रभावी प्रस्तुति के साथ देश के विकास रोल मॉडल के रूप में गुजरात की प्रगति गाथा का वर्णन किया।

'सदाकाळ गुजरात' कार्यक्रम राज्य सरकार के प्रवासी गुजराती (एनआरजी) प्रभाग द्वारा हर वर्ष देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किया जाता है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य अन्य राज्यों में बसे गुजरात मूल के

परिवारों-लोगों का गुजरात के साथ तथा गुजरात के विकास के साथ संबंध सेतु अधिक सुदृढ़ बनाना है।

इस परंपरा में वर्ष 2025 का 'सदाकाळ गुजरात' कार्यक्रम मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित किया गया। 2024 में यह कार्यक्रम कर्नाटक में बेंगलुरू में आयोजित हुआ था।

भोपाल में आयोजित 'सदाकाळ गुजरात' कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा तथा गुजरात के एनआरजी प्रभाग के राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा एनआरजी प्रभाग के राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने इस अवसर पर गुजराती फूड फेस्टिवल का भी उद्घाटन किया और गुजराती समाज के अग्रणियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात जब 1960 में पृथक राज्य बना, तब सभी के मन में प्रश्न था कि रेगिस्तान, समुद्र एवं पर्वतीय क्षेत्र वाला यह राज्य कैसे विकास करेगा। वही गुजरात आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में देश का ग्रोथ इंजन बना है।

उन्होंने जोड़ा कि बिजली-पानी की किल्लत, सड़क-मार्गों का अभाव जैसी विकट स्थिति थी। श्री नरेन्द्र मोदी के शासन दायित्व संभालने पर स्थिति में बदलाव आया है। श्री मोदी ने नर्मदा जल कच्छ तक पहुँचाया है, बिजली 24 घण्टे बिजली मिलने लगी, स्वास्थ्य सेवाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँची है। गुजरात द्वारा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू की गई वाइब्रेंट समिट आज देश के अन्य राज्यों में शुरू हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट समिट ने गुजरात को रोजगार सृजन में अग्रसर रखने के साथ विदेशी निवेशकों को भी गुजरात में निवेश के लिए प्रेरित किया है। आज विश्व की टॉप 500 में से 100 कंपनियाँ गुजरात में हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को साकार करने में ऐसे 'सदाकाळ गुजरात' जैसे कार्यक्रमों के उपयुक्त बनने की भूमिका देते हुए कहा कि देश के राज्य एक-दूसरे की विकास की बातों तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज का परस्पर आदान-प्रदान कर करते हैं। हम सभी को विकसित भारत के लिए साथ मिलकर आगे बढ़ना है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य प्रदेश में बसे गुजराती परिवार मध्य प्रदेश के विकास में भी अग्रिम योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि सभी गुजराती 'ज्यां-ज्यां वसे एक गुजराती, त्यां सदाकाळ गुजरात (जहाँ बसे एक गुजराती, वहाँ सदाकाल गुजरात) के मंत्र को साकार करते हैं। गुजराती देश में जहाँ बसते हैं, वहाँ के विकास में योगदान देकर इस मंत्र को साकार करते हैं, जिसके लिए मुख्यमंत्री ने आनंद भी व्यक्त किया।

राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल ने मध्य प्रदेश के प्रथम नागरिक के रूप में 'सदाकाळ गुजरात' जैसे कार्यक्रम का मध्य प्रदेश में आयोजन करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का आभार व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि गुजरातियों की विशेषता है कि वे जहाँ जाते हैं, वहाँ दूध में चीनी की तरह घुल जाते हैं। मध्य प्रदेश में लगभग दो लाख गुजराती रहते है, जिनका इस प्रदेश के विकास में बड़ा योगदान है।

राज्यपाल ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री ने सबके साथ, सबके विकास, सबके विश्वास और सबके प्रयास का मंत्र दिया है, जिसके फलस्वरूप देश के सभी लोगों का विकास में सहयोग मिलता है। श्री मंगूभाई पटेल ने दृढ़तापूर्वक कहा कि इस मंत्र के फलस्वरूप भारत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विश्व गुरु बनेगा ही।

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुजरात को ईश्वर कृपा की भूमि बताते हुए कहा कि स्वराज का नेतृत्व करने वाले गांधीजी, अखंड भारत के शिल्पकार सरदार साहब और अब सुराज्य के प्रेरणास्रोत श्री नरेन्द्रभाई, श्री अमितभाई शाह; ये सभी गुजरात की धरती की ऐसी संतानें हैं, जो देश को दिशा देते रहे हैं।

मध्य प्रदेश में इटारसी के पास अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस में लगी आग, यात्रियों में मचा हड़कंप

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में सोमवार, 31 मार्च 2025 को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

इटारसी और बानापुरा के बीच खुटवासा रेलवे स्टेशन के पास अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस की एक बोगी में अचानक आग लग गई। यह घटना दोपहर करीब 4 बजे की है, जब ट्रेन बरौनी की ओर बढ़ रही थी। आग की लपटें और धुआं देखकर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन समय रहते ट्रेन को रोककर स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। इस घटना ने रेलवे प्रशासन और स्थानीय लोगों को भी सकते में डाल दिया। अहमदाबाद से बरौनी जाने वाली यह ट्रेन सुबह अपनी यात्रा पर निकली थी।

हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, उधमसिंह नगर में विभिन्न स्थानों के नाम बदलेंगे, सीएम धामी ने घोषणा की

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा आज एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए जनपद हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल और उधम सिंह नगर में स्थित विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न स्थानों के नाम में परिवर्तन जन भावना और भारतीय संस्कृति व विरासत के अनुरूप किया जा रहा है। जिससे लोग भारतीय संस्कृति और इसके संरक्षण में योगदान देने वाले महापुरुषों से प्रेरणा ले सके।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार, हरिद्वार जनपद में प औरंगजेबपुर का शिवाजी नगर, गाजीवाली का आर्य नगर, चांदपुर का ज्योतिबा फुले नगर, मोहम्मदपुर जट का मोहनपुर जट, खानपुर कुर्सली का अंबेडकर नगर, इंदरीशपुर का नंदपुर, खानपुर का श्री

कृष्णपुर, अकबरपुर फाजलपुर का नाम विजयनगर किया जाना है।

देहरादून जनपद में मियांवाला का रामजी वाला, पीरवाला का केसरी नगर, चांदपुर खुर्द का पृथ्वीराज नगर, अब्दुल्ला नगर का नाम दक्ष नगर किया जाएगा।

जनपद नैनीताल में नवाबी रोड़ का अटल मार्ग, पनचक्की से आईटीआई मार्ग का नाम गुरु गोवलकर मार्ग किया जाएगा। उधमसिंह नगर में नगर पंचायत सुल्तानपुर पट्टी का नाम बदलकर कौशल्या पुरी किये जाने की घोषणा की गई है।

गौशाला पर अखिलेश के बयान से मचा सियासी भूचाल, मंत्री नंदी बोले- जो गोबर से घबराए, वह यदुवंशी नहीं!

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश यादव के गौशाला और गोबर को लेकर दिए गए बयान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। भाजपा ने उनके बयान को हिंदू परंपराओं और यादव समुदाय का अपमान करार दिया है। लखनऊ की सड़कों पर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें अखिलेश से माफी की मांग की गई है। भाजपा प्रदेश महामंत्री और एमएलसी सुभाष यदुवंश ने अखिलेश पर सीधा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि गौशालाओं से बदबू और इत्र की खुशबू की तुलना करके अखिलेश ने हिंदू मान्यताओं का अपमान किया है।

आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार ने डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की, जैव प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र से अधिक सहयोग की मांग की

केंद्र आंध्र प्रदेश के जैव प्रौद्योगिकी विकास को पूर्ण सहयोग देगा: डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री वाई. सत्य कुमार ने राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से भेंट की और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक सहयोग की मांग की।

चर्चा के दौरान दोनों नेताओं ने राज्य में जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने तथा केंद्रीय सहायता से चल रही पहलों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया।

मोदी सरकार की निरंतर सहायता के लिए आभार व्यक्त करते हुए सत्य कुमार ने स्वास्थ्य सेवा में प्रगति और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए जैव प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए आंध्र प्रदेश की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। उन्होंने राज्य में अत्याधुनिक नवाचार लाने के लिए सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के तहत जैव प्रौद्योगिकी एक प्राथमिकता वाला क्षेत्र बना हुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और टिकाऊ स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया और कहा कि आंध्र प्रदेश ऐसी प्रगति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आंध्र प्रदेश भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बायोफार्मास्युटिकल अनुसंधान, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और कृषि जैव प्रौद्योगिकी समाधान जैसे क्षेत्रों में एक प्रमुख राज्य के रूप में उभरा है। राज्य में कई बायोटेक इनक्यूबेटर और अनुसंधान संस्थान हैं जो नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सहायक रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल (बीआईआरएसी) फंडिंग और राष्ट्रीय बायोटेक मिशन जैसी पहलों के साथ, आंध्र प्रदेश ने बायोटेक स्टार्टअप और उद्योग साझेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि सहयोग के लिए नए सिरे से प्रयास का उद्देश्य राज्य को भारत के व्यापक जैव प्रौद्योगिकी योजना में और अधिक शामिल करना है।

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत जैव प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास कर रहा है और अनुसंधान एवं नवाचार में अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है।

आंध्र प्रदेश अपने जैव प्रौद्योगिकी तंत्र को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, इस चर्चा से इस उच्च-विकास क्षेत्र में राज्य-केंद्र सहयोग को नई गति मिलने का संकेत मिलता है।

सीएम योगी आज बरेली में, स्कूल चलो अभियान का करेंगे शुभारंभ; देंगे 932 करोड़ की सौगात

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक वह राजकीय विमान से लखनऊ से बरेली एयरपोर्ट आएंगे। यहां से हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचेंगे। सुबह 11:30 बजे बरेली कॉलेज मैदान पर जनसभा को संबोधित करंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली में होंगे। यहां से वह स्कूल चलो अभियान की शुरूआत करेंगे। साथ ही, जिले को 932 करोड़ रुपये की 132 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

सरकार के आठ साल पूरे होने पर जनता से भी रूबरू होंगे। उनके साथ बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, श्रम मंत्री अनिल राजभर, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व बरेली जिले के प्रभारी जेपीएस राठौर भी रहेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आधिकारिक सूचना के मुताबिक वह राजकीय विमान से लखनऊ से बरेली एयरपोर्ट आएंगे। यहां से हेलिकॉप्टर से पुलिस लाइन पहुंचेंगे। सुबह 11:30 बजे बरेली कॉलेज मैदान पर जनसभा को संबोधित करने के बाद विकास भवन में बरेली मंडल के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके बाद सीएम नवाबगंज के अधकटा नजराना गांव में अटल आवासीय विद्यालय का उद्घाटन करेंगे।

कुट्टू आटा खाने से 200 से ज्यादा लोग पहुंचे अस्पताल, मिलावट की यहां करें कंप्लेन, अब तक क्या हुआ?

देहरादून में कुट्टू आटा खाने से 200 से ज्यादा लोग बीमार होने के बाद अस्पताल पहुंच गए। जिसके बाद से

हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच प्रशासन ने कुट्टू आटा सप्लायर, रिटेलर, होलसेलर पर संगीन धाराओं में मुकदमें दर्ज कर स्टॉक सीज किए हैं।

जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी पर गाज गिर सकती है। मरीजों के उपचार एवं सुगम सुविधा, समन्वय को डीएम ने अस्पतालों में मजिस्ट्रेट तैनात किए हैं। अब तक बीमार लोगों को जिला चिकित्सालय कोरोनेशन, दून चिकित्सालय और इन्दिरेश हास्पिटल में भर्ती कराए गए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने मध्य प्रदेश की यात्रा पर, राज्यपाल मंगूभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शिष्टाचार भेंट की

गांधीनगर, 31 मार्च : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सदाकाळ गुजरात (सदाकाल गुजरात) कार्यक्रम अंतर्गत सोमवार को मध्य प्रदेश की यात्रा पर पहुँचे। श्री पटेल ने इस यात्रा के दौरान मध्य प्रदेश राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

श्री पटेल ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन दायव से भी भेंट की और उनके साथ बैठक की। इस अवसर पर प्रवासी गुजराती (एनआरजी) प्रभाग के मंत्री तथा गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहे।

प्रवासी गुजराती प्रभाग द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को साकार करने के उद्देश्य से हर वर्ष देश के अलग-अलग राज्यों में सदाकाळ गुजरात कार्यक्रम का आयोजन किया

जाता है, जिसके अंतर्गत इस वर्ष मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सोमवार को सदाकाळ गुजरात कार्यक्रम आयोजित हुआ।

वंदे भारत ट्रेन कटरा से श्रीनगर की राह बनाएगी आसान, सिर्फ इतने घंटे में पूरी होगी यात्रा

(जीएनएस) ।यू,एस.बी.आर.एल परियोजना के पश्चात अब कई सालों का इंतजार खत्म हो जाएगा। जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत चलने से कई घंटों की समय बचत होगी। कटरा से श्रीनगर कि यात्रा अब केवल 3 घण्टे में होगी। अभी सड़क से यात्रा में 6 से 7 घंटे लगते है। फिलहाल वंदेभारत को कटरा से श्रीनगर के बीच चलाने की योजना बनायी गयी है। अभी वैली में श्रीनगर से लेकर संगलदान तक ट्रेनों का आवागमन होता है। अब, संगलदान से कटरा तक रेल लाइन चालू होने के बाद इन ट्रेनों को कटरा तक चलाया जा सकता है।

यू,एस.बी.आर.एल परियोजनाः वर्ष 2009 में काजीगुंड-बारामूला सेक्शन शुरू हो गया था। वर्ष 2013 में 18 किलोमीटर बनिहाल-काजीगुंड सेक्शन, वर्ष 2014 में 25 किलोमीटर ऊधमपुर-कटरा, वर्ष 2023 में बनिहाल से संगलदान और अब संगलदान से कटरा के बीच शुरू होने वाली है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज-चिनाब ब्रिज इस परियोजना का हिस्सा है। टनल, पुल और वैली से अब रेल सफर और आनंदमय होगा।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु निम्नलिखित विशेष गाड़ियों के संचलन अवधि का विस्तार निम्नवत किया गया है।

टनकपुर एवं मथुरा से प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं शनिवार को चलने वाली 05062/05061 टनकपुर-मथुरा जं.-टनकपुर विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 30 जून, 2025 तक तथा 05447/05448 पीलीभीत-शाहजहांपुर-पीलीभीत अनारक्षित विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार 30 जून, 2025 तक किया गया है। अवधि विस्तार के दौरान ये गाड़ियाँ अपने पूर्ववत निर्धारित मार्ग, समय एवं ठहराव के अनुसार चलाई जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

वक्फ बोर्ड बिल पर किरेन रिजिजू ने कह दी बड़ी बात, सड़कों पर पत्थर लेकर लोगों को उकसाना देश के लिए ठीक नहीं है

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने ईद के मौके पर वक्फ बोर्ड बिल को लेकर कई बाते कहीं हैं।

उन्होंने पंजाब विधानसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड बिल पर लोगों को बरगलाना ठीक नहीं है। हम पूरी प्रक्रिया के तहत वक्फ बिल ला रहे हैं। न्यूज एजेंसी अठकसे बातचीत करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा वे कौन हैं जो इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं? कुछ शक्तिशाली लोग हैं जिन्होंने वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण किया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने अहम पैसले में कहा कि असुरक्षित लोगों के आधार पर अभिव्यक्ति की आजादी को नहीं आंका जा सकता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा जरूरी है क्योंकि इसके बिना सम्मानजनक जीवन जीना असंभव है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी को लोकतंत्र का अहम अंग बताते हुए कांग्रेस सांसद इमरान पतापगढ़ी के खिलाफ गुजरात में दर्ज एफआईआर रद्द कर दी। कोर्ट ने कहा, भले बड़ी संख्या में लोग किसी के विचार को नापसंद करते हों, पर उसके विचार व्यक्त करने के अधिकार का सम्मान व संरक्षण होना चाहिए। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा, 75 वर्ष पुराना लोकतंत्र इतना कमजोर नहीं कि किसी कविता या कॉमेडी से समाज में शत्रुता या घृणा पैले। यह कहना कि किसी कला या स्टैण्डअप कॉमेडी से नफरत पेल सकती है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वुचल देगा। शीर्ष अदालत ने इस टिप्पणी के साथ कांग्रेस से सांसद इमरान पतापगढ़ी के खिलाफ सोशल मीडिया पर भड़काऊ गीत का संपादित वीडियो पोस्ट करने के मामले में गुजरात पुलिस की एफआईआर को खारिज कर दिया। खंडपीठ ने जोर देकर कहा, भाषण व अभिव्यक्ति की आजादी पतिबंधों से ऊपर है। भारतीय न्याय संहिता की धारा-196 के तहत धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए अपराध के किसी व्यक्ति के बोल या लिखे गए शब्दों के पभाव को मजबूत दिमाग वाले दृढ़ व साहसी व्यक्ति के मानकों के आधार पर विचार करना होगा। इसे उन लोगों के समर्थन के आधार पर नहीं आंका जा सकता, जो कमजोर व अस्थिर दिमाग वाले हैं, जिनमें सदैव असुरक्षा की भावना होती है या जो हमेशा आलोचना को यानि ताकत व पद के लिए खतरा मानते हैं। पीठ ने कहा, लोगों या उनके समूहों के विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वस्थ व सय समाज का अभिन्न अंग है। विचारों व दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति की आजादी के बिना, संविधान के अनुच्छेद-21 में दी गई गारंटी वाला सम्मानजनक जीवन असंभव है। पीठ ने कहा, यह सुनििति करना कोर्ट का परम कर्तव्य है कि संविधान व इसके आदर्शों का उल्लंघन न हो। गुजरात हाईकोर्ट के 17 जनवरी के आदेश को इमरान ने चुनौती दी थी। जिसमें उन पर दर्ज पथमिकी को रद्द करने की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि जांच शुरूआती चरण में है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने अभिव्यक्ति की आजादी के संरक्षण को सर्वोपरि बताया और साफ किया कि किसी भी बयान या लेख की व्याख्या तार्विक और दृढ़ व्यक्ति की दृष्टि से होनी चाहिए न कि उन लोगों के अनुसार जो असुरक्षा के चलते आलोचना को खतरा मानते हैं। साथ ही धारा-196 के तहत जांच पव्रिया को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया ताकि अनावश्यक मुकदमों से नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन न हो। हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के इस पैसले का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में सभी संबंधित पक्ष इसको ध्यान में रखेंगे और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नाजायज तरीके से दबाने का पयास नहीं करेंगे।

गुजरात के स्काउट एंड गाइड के बच्चे अपने जन्मदिन पर या अपने माता-पिता की विवाह वर्षगांठ पर एक वृक्ष लगाने का संकल्प लें : श्री आचार्य देवव्रत

गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ द्वारा वर्ष 2023-24 के 1568 बच्चों और वर्ष 2024-25 के 1611 बच्चों को राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने राज्य पुरस्कार प्रदान किए। स्काउट गाइड एक विचारधारा है, जो बच्चों में समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करता है। राजभवन में महर्षि दयानंद सभामंडप में आयोजित भव्य समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष श्री नितिनभाई पटेल भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने गुजरात राज्य भारत स्काउट एंड गाइड के सभी बच्चों से अनुरोध किया है कि वे अपने जन्मदिन पर या अपने माता-पिता की विवाह वर्षगांठ पर कम से कम एक वृक्ष लगाने का संकल्प लें। उन्होंने बच्चों को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया और कहा कि यदि आप लगाए गए वृक्ष की तीन वर्षों तक देखभाल करेंगे, तो वह वृक्ष पूरी जिंदगी आपकी देखभाल करेगा।

गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ द्वारा वर्ष 2023-24 के 1568 बच्चों और वर्ष 2024-25 के 1611 बच्चों को राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने राज्य पुरस्कार प्रदान किए। गांधीनगर स्थित राजभवन में महर्षि दयानंद सभामंडप में आयोजित भव्य समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष श्री नितिनभाई पटेल भी उपस्थित रहे।

गुजरात के 31 जिलों में से 25 जिलों में स्काउट गाइड की गतिविधियां अधिक सक्रिय रूप से संचालित हो रही हैं। गुजरात में स्काउट गाइड संघ ने अपने 65वें वर्ष में प्रवेश किया है। विभिन्न जिलों से आए स्काउट्स, गाइड्स, स्काउटर्स और गाइडरों को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने कहा कि स्काउट गाइड एक विचारधारा है, जो बच्चों में समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करता है। यह संगठन शिक्षा के साथ-साथ सेवा से जोड़कर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें एक ज़िम्मेदार नागरिक भी बनाता है और समाज में उनकी

उपयोगिता एवं महत्व को समझाता है।

श्री आचार्य देवव्रत जी ने कहा कि विकास के लिए अंधी दौड़ और आधुनिकता के नाम पर पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। पहले के समय में पानी और हवा स्वच्छ थे, लेकिन अब जल और वायु प्रदूषित हो चुके हैं। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बच्चों से अनुरोध किया कि वे अपनी दिनचर्या में अनुशासन और संयम लाएँ, ताकि वे स्वयं स्वस्थ रहें और पर्यावरण का संरक्षण कर सकें।

युवाओं को जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए, श्री आचार्य देवव्रत जी ने उन्हें नशे, गलत आदतों और सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचने की सलाह दी। उन्होंने माता-पिता के मार्गदर्शन की महत्ता को रेखांकित किया और बच्चों से आग्रह किया कि किसी भी समस्या या संकट में वे अपने अभिभावकों से खुलकर बात करें। उन्होंने बताया कि जो बच्चे अपने माता-पिता और गुरुजनों का सम्मान करते हैं, वे जीवन में हमेशा सफलता प्राप्त करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के बचपन का एक प्रेरणादायक प्रसंग साझा करते हुए राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतज ने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपनी छोटी उम्र में ही सेवा भाव और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। श्री आचार्य देवव्रत जी ने इस उदाहरण के माध्यम से बच्चों को सिखाया कि समाज सेवा के कार्य करने के लिए कोई उम्र की बाध्यता नहीं होती। यदि बचपन से ही व्यक्ति समाज सेवा के विचार को अपनाता है, तो वह जीवन में महानता प्राप्त कर सकता है।

अंत में, श्री आचार्य देवव्रत जी ने सभी उपस्थित अधिकारियों, स्काउट्स, गाइड्स और आयोजकों की सराहना की। उन्होंने नववर्ष के अवसर पर सभी के सुख, समृद्धि, और स्वास्थ्य की मंगलकामना की और सभी को राष्ट्रीय सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और कहा कि यदि हम सभी मिलकर प्रकृति, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए तत्पर रहें, तो एक सशक्त और खुशहाल भविष्य का निर्माण संभव हो सकेगा।

गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ के अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि स्काउट गाइड संघ के माध्यम से गुजरात के हजारों बेटे-बेटियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक और सज्जन व्यक्ति के रूप में तैयार किया जा रहा है। स्काउट गाइड की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य, ज्ञान, संस्कार, देशभक्ति और अन्य सद्गुणों का समावेश किया जाता है। इसके अलावा, बच्चों में स्वच्छता, पानी बचाओ, बिजली बचाओ जैसी महत्वपूर्ण बातों के प्रति भी जागरूकता विकसित की जाती है। इस तरह की गतिविधियाँ व्यक्तित्व निर्माण करती हैं और जीवन में उपयोगी साबित होती हैं।

भारत स्काउट गाइड संघ की गुजरात राज्य की मुख्य आयुक्त श्रीमती सविताबेन पटेल ने अपने संबोधन में गुजरात राज्य भारत स्काउट गाइड संघ की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्काउट गाइड के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर गुजरात भारत स्काउट गाइड संघ के उपाध्यक्ष श्री दिलीपभाई चौधरी, राज्य आयुक्त (स्काउट) श्री हसमुखभाई मोदी, राज्य आयुक्त (गाइड) श्रीमती अंजना बेन चौधरी, नेशनल स्काउट कमिश्नर श्री मनीषकुमार महेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजगीर में होगा हीरो एशिया कपः बिहार 2025, हॉकी इंडिया व खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

ऐतिहासिक शहर राजगीर, बिहार, हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। आज हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के बाद इस आयोजन की आधिकारिक घोषणा की गई।

यह प्रतिष्ठित टूनार्मेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा, जो भारत के खेल बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और बिहार को वैश्विक खेल हब के रूप में उभरने का संकेत है। यह राजगीर द्वारा आयोजित दूसरा अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन होगा। इससे पहले, नवंबर 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने विजेता का खिताब जीता था।

महाद्वीपीय टूनार्मेंट के 12वें संस्करण में आठ टीमें भाग लेंगी, जिनमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया शामिल हैं। शेष दो टीमें क्वालिफाइंग टूनार्मेंट एएचएफ कप के माध्यम से अपनी जगह सुनिश्चित करेंगी।

पुरुषों के एशिया कप के इतिहास में दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने पांच खिताब (1994, 1999, 2009, 2013 और 2022) जीते हैं। इसके बाद भारत (2003, 2007 और 2017) और पाकिस्तान (1982, 1985 और 1989) हैं, जिन्होंने तीन-तीन बार यह टूनार्मेंट जीता है।

हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का महत्व इस वजह से भी बढ़ जाता है क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट होगा, जिसे बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित किया जाना है। इस टूनार्मेंट का विजेता विश्व कप में सीधा स्थान प्राप्त करेगा, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोमांचक हो जाएगी, क्योंकि सभी टीमें ट्रॉफी उठाने और अपनी योग्यता सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी।

राजगीर में इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी पर बात करते हुए बिहार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ. बी. राजेंद्र ने कहा, "हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच समझौता ज्ञापन (टड्ढव) पर हस्ताक्षर, बिहार को एक प्रमुख खेल गंतव्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है, और हम टूनार्मेंट के सुचारू आयोजन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम बिहार के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे का प्रमाण है, और हमें पूरे एशिया की शीर्ष टीमों का स्वागत करने की खुशी है। यह आयोजन न केवल अंतरराष्ट्रीय खेलों में बिहार की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा बल्कि क्षेत्र में हॉकी के नए खिलाड़ियों को प्रेरित भी करेगा। मैं हॉकी इंडिया और एशियन हॉकी फेडरेशन का समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं और हमें इस टूनार्मेंट को विश्व स्तरीय बनाने की उम्मीद है।"

इस अवसर पर, एशियन हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, "हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025, एशियाई हॉकी के इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ता है। भारत हमेशा हमारे महाद्वीप में हॉकी के विकास में एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है, और राजगीर को मेजबान शहर के रूप में चुनना इस खेल को पारंपरिक केंद्रों से आगे ले जाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। बिहार में नया बुनियादी ढांचा और उत्साही हॉकी संस्कृति इस टूनार्मेंट को शानदार बनाएगी। चूंकि यह टूनार्मेंट विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है, इसलिए मुकाबले अत्यधिक प्रतिस्पर्धी होंगे, और हम एएचएफ में उच्च स्तरीय हॉकी देखने के लिए उत्साहित हैं। मैं हॉकी इंडिया और बिहार सरकार को इस आयोजन को भव्य सफलता बनाने के लिए उनके समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूं।"

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "राजगीर में हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है, और मुझे विश्वास है कि यह खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव प्रदान करेगा। एशिया कप 2026 विश्व कप के लिए क्वालिफायर के रूप में कार्य करेगा, इसलिए हमें जुनून और कौशल से भरे उच्च-स्तरीय मुकाबले देखने को मिलेंगे। मैं बिहार सरकार को इस क्षेत्र में हॉकी को बढ़ावा देने में उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।"

हॉकी इंडिया के महासचिव श्री भोला नाथ सिंह ने कहा, "हम राजगीर, बिहार में एशिया कप लाने को लेकर उत्साहित हैं। यह टूनार्मेंट न केवल एशियाई हॉकी के सर्वश्रेष्ठ खेल को प्रदर्शित करेगा बल्कि भारत और इस क्षेत्र में इस खेल को एक नई ऊंचाई देगा। बिहार में हॉकी के प्रति उत्साह और जुनून बढ़ रहा है, और यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन कई युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा। हम एक सफल टूनार्मेंट की उम्मीद करते हैं और स्थानीय प्रशासन के जबरदस्त

बुलेटप्रूफ शीशे के पीछे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अंदाज, पुलिस के पहरे में यूं दी फैन्स को ईद की मुबारकबाद

(जीएनएस)।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान (रॅंल्ल डॅंल्ल प्र् 2025) ने ईद के मौके पर अपने फैंस को खास अंदाज में बधाई दी। इस बार उन्होंने अपने गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी से नहीं, बल्कि बुलेटप्रूफ ग्लास के पीछे खड़े होकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। सुरक्षा कारणों से उनके घर के आसपास भारी पुलिस तैनात रही।

31 मार्च को सलमान खान ने सफेद कुर्ता-पायजामा पहना और अपने बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर जमा भारी भीड़ को देखकर मुस्कुराए। उनके साथ उनकी बहन अर्पिता खान के बच्चे आयत और आहिल भी मौजूद थे। सलमान ने हाथ हिलाकर फैंस का शुक्रिया अदा किया और सभी को ईद की मुबारकबाद दी।

सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में वह अपनी भतीजी आयत को गोद में उठाकर पोज देते नजर आ रहे हैं। सलमान ने इंस्टाग्राम पर भी

एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो अपने घर के बाहर इकट्ठा हुई भीड़ का अभिवादन कर रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शुक्रिया शुक्रिया और सबको ईद मुबारक!'

सुरक्षा के बीच 'सिकंदर' की रिलीज

सलमान खान इन दिनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गिरोह से मिल रही जान से मारने की धमकियों के चलते कड़ी सुरक्षा में रह रहे हैं। इसी कारण उन्होंने अपने घर पर बुलेटप्रूफ ग्लास लगवाया है और हाल ही में बुलेटप्रूफ कार भी खरीदी है। शूटिंग के दौरान भी वह अपनी सिक्योरिटी के साथ चलते हैं।

इसी बीच उनकी फिल्म 'सिकंदर' 29 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। पहले दिन इसने भारत में करीब 30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। ईद के मौके पर फिल्म की कमाई में उछाल आने की उम्मीद है और यह पहले हफ्ते में 100 करोड़ क्लब में एंट्री कर सकती है।

फिल्म 'सिकंदर' की स्टारकास्ट और कहानी

साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले बनी इस फिल्म में सलमान खान के साथ सत्यराज, रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन सलमान के फैंस इसे बड़े स्तर पर सपोर्ट कर रहे हैं।

अब देखना यह होगा कि 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है और सलमान खान अपनी अगली फिल्म का ऐलान कब करते हैं।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी शादी की योजनाओं पर खुलकर किया खुलासा

(जीएनएस)।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश और प्रसिद्ध धार्मिक गुरु पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हाल ही में एक न्यूज चैनल पर अपनी शादी को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बयान दिए हैं।

इस चर्चा में उन्होंने न केवल अपनी शादी के बारे में खुलकर बात की, बल्कि कुछ रोचक किस्सों को भी साझा किया, जो उनके जीवन के इस अध्याय से जुड़े हैं। उन्होंने इस दौरान यह साफ किया कि वह शादी करेंगे, और उनका जीवनसाथी ऐसा होना चाहिए जो न केवल उन्हें, बल्कि उनके परिवार को भी अच्छे से समझ सके।

शादी के लिए अर्धांगिनी चाहिए, वाइफ नहीं

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी शादी के बारे में कहते हुए कहा, "मुझे वाइफ नहीं, अर्धांगिनी चाहिए।" उनका यह बयान कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को हंसी में डालने वाला था, क्योंकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, "वाइफ तो ब्लू ड्रम फेमस है," जो लोगों के बीच एक हल्का-फुल्का मजाक था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता एक ऐसे जीवनसाथी की है जो समझदार हो, और उनके परिवार के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम हो। उनके लिए शादी का मतलब केवल एक साथी नहीं, बल्कि एक ऐसी अर्धांगिनी होना चाहिए जो उनके साथ जीवन के हर उतार-चढ़ाव में खड़ी रहे।

शादी के प्रस्तावों की चौंकाने वाली कहानियां

पंडित शास्त्री ने अपनी शादी से जुड़े कुछ चौंकाने वाले प्रस्तावों का भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 40 से 42 साल की एक महिला ने उनसे शादी के लिए प्रस्ताव रखा था, और उसने अपने पति को तलाक देकर उनसे शादी करने का इरादा जताया था। यह कहानी बहुत ही दिलचस्प थी, क्योंकि यह दशार्ता है कि उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान का स्तर कितना गहरा है।

इसके अलावा, शास्त्री ने एक और हैरान करने वाला किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक महिला भक्त ने उनसे शादी की मांग की थी, और यह मांग पूरी नहीं होने पर उसने नस काटने का कदम उठाया। महिला का कहना था कि वह तीन साल से पूजा और व्रत रख रही थी, और शादी का वादा न मिलने पर उसने यह गंभीर कदम उठाया। इस घटना ने शास्त्री को भी चौंका दिया, और उन्होंने इसे अपने जीवन का एक कठिन अनुभव बताया।

भावी जीवनसाथी के लिए अधिक मंथन नहीं किया

पंडित शास्त्री ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी भावी जीवनसाथी के चयन के लिए ज्यादा मंथन नहीं किया है। उनका कहना था कि उनकी प्राथमिकता किसी ऐसे व्यक्ति को चुनने की है जो जीवन के हर पहलू को समझ सके और उनके परिवार के साथ अच्छे से तालमेल बिठा सके। उन्होंने अपनी शादी के फैसले में प्रेम और समझ को सबसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि वह किसी ऐसी महिला को चाहेंगे जो उनके साथ इस जीवन के सफर में कदम से कदम मिलाकर चल सके।

शादी करना है, यह पक्का है

पंडित शास्त्री ने कहा, "शादी करनी है, यह पक्का है।" यह बयान इस बात को स्पष्ट करता है कि वह अपने जीवन को एक नई दिशा देने के लिए तैयार हैं, और एक दिन वे शादी करेंगे। उन्होंने इस दौरान जीवन के संघर्षों और साधु बनने की कठिनाइयों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि साधु बनना एक कठिन रास्ता है और इसमें बहुत सी चुनौतियां होती हैं। वह इस रास्ते पर चलते हुए अपने 150 करोड़ भक्तों के विश्वास को टूटने नहीं देना चाहते, और उनकी पूरी कोशिश रहती है कि उनका भरोसा टूटे नहीं।

प्रेम में जाति का फर्क नहीं होता

जब उनसे दूसरी जाति या गैर ब्राह्मण से शादी करने के बारे में पूछा गया, तो पंडित शास्त्री ने कहा, "हमारी परंपराओं में वर्ण व्यवस्था है, लेकिन हम इन परंपराओं में कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहते।" उन्होंने साफ तौर पर कहा कि प्रेम में जातियों की कोई अहमियत नहीं होती। "जहां प्रेम होता है, वहां न तो नाम होता है और न ही टेम (समय) होता है," उन्होंने कहा। यह बयान यह साबित करता है कि शास्त्री प्रेम को सबसे ऊपर मानते हैं और जाति-धर्म से ऊपर उठकर वे इसे जीवन का सबसे अहम तत्व मानते हैं।

शादी का विचार और भक्तों के लिए संदेश

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की शादी पर यह खुलासा न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को उजागर करता है, बल्कि उनके धार्मिक दृष्टिकोण और उनके जीवन साथी के लिए इच्छाओं को भी दशार्ता है। उनका यह बयान इस ओर इशारा करता है कि वह एक ऐसे साथी की तलाश में हैं जो न केवल उन्हें, बल्कि उनके परिवार और उनके भक्तों को भी समझे। उनका संदेश यह भी है कि जीवन में प्रेम और समझ सबसे महत्वपूर्ण चीजें हैं, और यही उन विचारों का आधार है, जो वे अपनी भावी जीवनसाथी से चाहते हैं।

मुंबई को जीत दिलाकर हीरो बने 2 खिलाड़ी, केआरके को मिली शर्मनाक हार, बने ये रिकॉर्ड

(जीएनएस)।

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में जीत का खाता धमाकेदार अंदाज में खोला है। अश्विनी कुमार ने आईपीएल में डेब्यू करते हुए चार विकेट झटक लिए। जिसकी बदौलत मुंबई ने कोलकाता को 16.2 ओवर में 116 रन पर समेट दिया और फिर सिर्फ 12.5 ओवर में लक्ष्य का पीछा किया। मुंबई की इस जीत के दो सबसे बड़े हीरो निकलकर सामने आए।

अश्विनी ने गेंद से किया कमाल

अश्विनी ने वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स की बल्लेबाजी को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया। उन्होंने तीन ओवर में चार विकेट झटके। इसकी शुरूआत अश्विनी ने अपनी पहली गेंद पर की, जिसमें अनुभवी अजिंक्य रहाणे 11(7) के स्कोर पर तिलक वर्मा को डीप बैकवर्ड पॉइंट पर कैच करा बैठे। इसके बाद पेसर ने अपने दूसरे ओवर में रिंकू सिंह और मनीष पांडे को आउट कर केकेआर की पारी को लड़खड़ा दिया।

रयान रिकेल्टन ने बल्ले से बिखेरी चमक

रिंकू को नमन धीर ने 17(14) के स्कोर पर कैच किया, जबकि मनीष 19(14) के स्कोर पर आउट हुए। मुंबई के लिए रोहित शर्मा फिर फ्लॉप रहे। आंद्रे रसेल ने रोहित शर्मा को 13 रन पर आउट कर दिया। हालांकि, उनके सलामी जोड़ीदार रयान रिकेल्टन 41 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से 62 रन बनाकर नाबाद लौटे। सूर्यकुमार यादव ने 9 गेंदों में 27 रन बनाए और एक छक्के के साथ मैच समाप्त किया।

116 रनों पर सिमटी केकेआर

इससे पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद केकेआर को मुंबई के तेज गेंदबाजों ने पिच पर ठहरने का मौका नहीं दिया। ट्रेंट बोल्ट और दीपक चाहर ने पहले दो ओवरों के अंदर सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और सुनील नरेन को आउट कर दिया। नरेन अपना खाता खोलने में नाकाम रहे, जबकि डी कॉक 1 रन पर आउट हो गए। इसके बाद चाहर ने वेंकटेश अय्यर (9 रन पर 3) को आउट कर मैच का अपना दूसरा विकेट लिया। इसके बाद केकेआर लगातार विकेट गंवाती चली गई और 116 रनों पर सिमट गई।

क्ढछ डेब्यू में 4 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बनकर अश्विनी कुमार ने इतिहास रच दिया। इसके अलावा अश्विनी ने इस मैच में एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज की। वह क्ढछ डेब्यू की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले 10वें गेंदबाज बन गए। जबकि मनीष पांडे क्ढछ के सभी सीजन में खेलने वाले सिर्फ चौथे खिलाड़ी बने। इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। रिकेल्टन ने 41 गेंदों में नाबाद 62 रन की पारी खेली। उन्होंने आईपीएल का अपना पहला अर्धशतक लगाया।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

1 अप्रैल, 2025 से सूरत स्टेशन पर अधिकांश ट्रेनों के ठहराव बहाल किए जाएंगे

मुंबई, सूरत स्टेशन के पुनर्विकास के संबंध में प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 पर चल रहा एयर कॉनकोर्स का कार्य पूरा हुआ

अस्थायी रूप से वैकल्पिक स्टेशनों पर स्थानांतरित की गई अधिकांश ट्रेनों का

1 अप्रैल, 2025 से सूरत स्टेशन से परिचालन फिर से शुरू होगा

सूरत स्टेशन का पूर्ण रूप से कायाकल्प हो रहा है और इसे विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। सूरत स्टेशन पुनर्विकास के तहत प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 (फेज-II) पर कॉनकोर्स का काम पूरा हो चुका है। इसे देखते हुए, जिन ट्रेनों को अस्थायी रूप से वैकल्पिक स्टेशनों पर स्थानांतरित किया गया था, उनमें से अधिकांश ट्रेनों का 1 अप्रैल, 2025 से सूरत स्टेशन पर परिचालन फिर से शुरू हो जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्लेटफॉर्म संख्या 2 और 3 पर चल रहे सूरत स्टेशन पुनर्विकास कार्य का दूसरा चरण पूरा हो गया है। इस कार्य के मद्देनजर किए गए ब्लॉक के कारण जिन ट्रेनों को अस्थायी रूप से वैकल्पिक स्टेशनों पर स्थानांतरित किया गया था, उनमें से अधिकांश 1 अप्रैल, 2025 से परिचालन फिर से शुरू करेंगी। हालांकि यह सूचित किया जाता है कि ताप्ती लाइन की सभी ट्रेनों (नंदुरबार/जलगांव से आने और जाने वाली) उधना स्टेशन पर ठहराव जारी रहेगा।

इन ट्रेनों की बहाली के बारे में विस्तृत जानकारी अनुलग्नक के रूप में संलग्न है:

अनुलग्नक क: सार्वजनिक समय सारणी के साथ सूरत स्टेशन पर रुकने वाली अप ट्रेनें

अनुलग्नक II: संशोधित सार्वजनिक समय सारणी के साथ सूरत स्टेशन पर रुकने वाली अप ट्रेनें

अनुलग्नक III: सार्वजनिक समय सारणी के साथ सूरत स्टेशन पर रुकने वाली डाउन ट्रेनें

अनुलग्नक IV: सूरत स्टेशन पर रुकने वाली डाउन ट्रेनें

अनुलग्नक V: सूरत स्टेशन से/पर विस्तारित/स्थानांतरित की गई मेमू/पैसेंजर ट्रेनें

अनुलग्नक VI: उधना स्टेशन से/पर शॉर्ट ओरिजिनेट/टर्मिनेट होने वाली ट्रेनें

अनुलग्नक श्क्क: उधना स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनें

अनुलग्नक VIII: ताप्ती वाउंड अप और डाउन ट्रेनें जिनका उधना स्टेशन पर ठहराव जारी रहेगा

अनुलग्नक IX: मुख्य लाइन की ट्रेनें जो अप दिशा में उधना और सूरत स्टेशनों पर रुकेंगी और डाउन दिशा में उधना में नहीं रुकेंगी।

इन ट्रेनों का विवरण पश्चिम रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अपलोड कर दिया गया है।

अब कटरा से श्रीनगर की यात्रा होगी मात्र 3 घंटे में

वंदे भारत से इस रूट पर अब यात्रा होगी आसान

USBRL परियोजना के पश्चात अब कई सालों का इंतजार खत्म हो जाएगा। जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत चलने से कई घंटों की समय बचत होगी। कटरा से श्रीनगर कि यात्रा अब केवल 3 घण्टे में होगी। अभी सड़क से यात्रा में 6 से 7 घंटे लगते है। फिलहाल वंदेभारत को कटरा से श्रीनगर के बीच चलाने की योजना बनायी गयी है। अभी वैली में श्रीनगर से लेकर संगलदान तक ट्रेनों का आवागमन होता है। अब संगलदान से कटरा तक रेललाइन चालू होने के बाद इन ट्रेनों को कटरा तक चलाया जा सकता है।

USBRL परियोजना: वर्ष 2009 में काजीगुंड-बारामूला सेक्शन शुरू हो गया था। वर्ष 2013 में 18 किलोमीटर बनिहाल-काजीगुंड सेक्शन, वर्ष 2014 में 25 किलोमीटर ऊधमपुर-कटरा, वर्ष 2023 में बनिहाल से संगलदान और अब संगलदान से कटरा के बीच शुरू होने वाली है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज-चिनाब ब्रिज इस परियोजना का हिस्सा है। टनल, पुल और वैली से अब रेल सफर और आनंदमय होगा।

दक्षिण गुजरात में चीकू का परिवहन, रेलवे पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित

मुंबई, किसान रेल सुविधा के कारण लंबी दूरी के बाजारों तक अपने उत् पाद को पहुंचा पाते हैं और इस प्रकार अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाते हैं

पश्चिम रेलवे की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट ने चीकू के परिवहन को सड़क मार्ग से रेल मार्ग पर स्थानांतरित करने में सहायता की

रेल के माध्यम से कृषि उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (इउ्र) ने चीकू के परिवहन को सड़क मार्ग से रेल मार्ग पर लाने में सफलता हासिल की। इस दिशा में वलसाड, नवसारी और दक्षिण गुजरात क्षेत्र के चीकू किसानों के लाभ के लिए बिलिमोरा से दिल्ली के आदर्श नगर तक स्पेशल ट्रेन शुरू की गई।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों द्वारा वलसाड जिले में चीकू के व्यापार से जुड़ी विभिन्न सहकारी समितियों के साथ रेल मार्ग से परिवहन के लाभों पर प्रकाश डालने के लिए व्यापक चर्चा की गई। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, हाल ही में वी. वी. के. एस. खेडुत मंडली, अमलसाड ने आदर्श नगर, दिल्ली में अपनी उपज के परिवहन और वितरण के लिए बिलिमोरा से चीकू की लगभग

35,000 पेटियां लोड कीं। चीकू की पेटियों के लिए समर्पित यह स्पेशल ट्रेन 24 घंटे के भीतर यानी सुबह करीब 07:00 बजे अपने गंतव्य पर पहुँच गई। इससे जल्दी खराब होने वाले इस उत्पाद की ताजगी बरकरार रही और बाजारों के खुलने से पहले ही इसे वहां तक पहुँचाना संभव हो गया। इस ट्रेन ने सड़क परिवहन के माध्यम से लगने वाले 35 घंटों की तुलना में, परिवहन समय को काफी कम कर दिया। इसके अलावा, ऐसे जल्दी खराब होने वाले उत्पादों के परिवहन के लिए 14 और रेक की योजना बनाई गई है, जिससे लगभग 1.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा।

श्री विनीत ने बताया कि इस सफलता से उत्साहित होकर, बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (इउ्र) वलसाड आगामी मौसम में आम की उपज को देखते हुए अब आम सहकारी समितियों के साथ मिलकर परिवहन ऐसे ही समाधान तलाशने में सक्रिय रूप से जुट गई है। यह पहल कोविड-19 अवधि के दौरान किसान रेल योजना के सफल क्रियान्वयन के बाद की गई है, जिसके तहत 150 से अधिक रेक में जल्दी खराब होने वाले सामानों का परिवहन किया गया, जिससे समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हुई और किसानों का नुकसान कम हुआ।

भारतीय रेल किसानों और व्यापारियों के लिए परिवहन के तेज, लागत प्रभावी और कुशल समाधान प्रदान करके कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को सहयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़क से रेल की ओर यह बदलाव न केवल तेज डिलीवरी सुनिश्चित करता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को कम करके स्थिरता में भी योगदान देता है।

पुणे-गाजीपुर सिटी समर स्पेशल ट्रेन के फेरों की बढ़ी संख्या

(जीएनएस)।

रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 08 अप्रैल से 27 जून, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को तथा गाजीपुर सिटी से 10 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं वृहस्पतिवार को 24 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

01431 पुणे-गाजीपुर सिटी द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 08 अप्रैल से 27 जून,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं मंगलवार को पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान कर दौंड कॉर्ड लाइन से 08.12 बजे, अहमदनगर से 09.32 बजे, मनमाड जं. से 13.15 बजे, जलगांव जं. से 15.25 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खंडवा से 19.00 बजे, इटारसी 21.20 बजे, पिपरिया से 22.12 बजे, नरसिंहपुर से 23.07 बजे, दूसरे दिन मदन महल से 00.45 बजे, कटनी से 02.55 बजे, मैहर से 04.12 बजे, सतना से 06.05 बजे, मानिकपुर से 08.47 बजे, प्रयागराज छिवकी से 10.05 बजे, वाराणसी जं. से 15.20 बजे, जौनपुर से 17.40 बजे तथा औंड़िहार से 18.35 बजे छूटकर गाजीपुर सिटी 20.15 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में, 01432 गाजीपुर सिटी-पुणे द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 10 अप्रैल से 29 जून, 2025 तक प्रत्येक रविवार एवं वृहस्पतिवार को गाजीपुर सिटी से 04.20 बजे प्रस्थान कर औंड़िहार से 05.15 बजे, जौनपुर से 07.05 बजे, वाराणसी जं. से 08.30 बजे, प्रयागराज छिवकी से 13.00 बजे, मानिकपुर से 16.27 बजे, सतना से 17.30 बजे, मैहर से 18.00 बजे, कटनी से 18.55 बजे, मदन महल से 20.30 बजे, नरसिंहपुर से 21.45 बजे, दूसरे दिन पिपरिया से 00.20 बजे, इटारसी 01.15 बजे, खंडवा से 03.48 बजे, भुसावल से 06.25 बजे, जलगांव जं. से 06.52 बजे, मनमाड जं. से 09.05 बजे, अहमदनगर से 12.00 बजे तथा दौंड कॉर्ड लाइन से 15.12 बजे छूटकर पुणे 16.20 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान को तगड़ा झटका, अचानक टीम से बाहर हुआ खतरनाक खिलाड़ी!

(जीएनएस)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे से पहले पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज उस्मान खान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। पाकिस्तान 2 अप्रैल यानी बुधवार को हैमिल्टन के सेडन पार्क में मेजबान टीम से भिड़ेगा। यह मैच पाकिस्तान के लिए जीतना बेहद जरूरी है।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका

पाकिस्तान ने सीरीज का पहला मैच 73 रनों से गंवा दिया था। इससे पहले पाकिस्तान ने पांच मैचों की ठे बनाम ढअङ ळ20क सीरीज को 4-1 से गंवा दी थी। उस्मान को 29 मार्च को नेपियर के मैकलीन पार्क में पहले वनडे के दौरान फील्डिंग करते समय चोट लगी थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ढउइ) ने पुष्टि की है कि सलामी बल्लेबाज हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण दूसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में हल्की चोट का पता चला है, जिससे वह हैमिल्टन मैच नहीं खेल सकेंगे।

उस्मान खान हुए बाहर

उस्मान खान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। पीसीबी के बयान में कहा गया है कि एमआरआई स्कैन में लो-ग्रेड टियर की पुष्टि हुई है, जिसके कारण उस्मान 2 अप्रैल को हैमिल्टन के सेडन पार्क में होने वाले दूसरे वनडे के लिए उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उस्मान ने अपने वनडे डेब्यू में 33 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर प्रभावित किया। चोट से उबरने के कारण तीसरे वनडे में वह वापसी कर सकते हैं। पाकिस्तान के पास वैकल्पिक सलामी बल्लेबाज के रूप में इमाम-उल-हक हैं, लेकिन उनकी फिटनेस भी चिंता का विषय बनी हुई है।

आईपीएल में आज किसका मैच है- मुंबई श्र केकेआर

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम

इमाम-उल-हक, बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान (विकेट कीपर) (कप्तान), अब्दुल्ला शफीक, सलमान आगा, तैयब ताहिर, खुशदिल शाह, फहीम अशरफ, इरफान खान, अबरार अहमद, नसीम शाह, मोहम्मद वसीम जूनियर, आकिफ जावेद, मोहम्मद अली, सुफियान मुकीम, हारिस रऊफ, उस्मान खान (चोट लगने के कारण दूसरे वनडे से बाहर)

कर्नाटक पुलिस ने दबोचे 6 बैंक डकैत, कुएं से बरामद 17 किलो चोरी का सोना, जानें कैसे काम करता था यह गिरोह?

(जीएनएस)।

कर्नाटक पुलिस ने छह सदस्यीय डकैतों (Dacoit) के गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 17.7 किलोग्राम चोरी का सोना बरामद किया है। यह सोना 28 अक्टूबर 2024 को दावणगेरे जिले के भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की न्यामती शाखा से चोरी किया गया था।

पुलिस ने जांच के दौरान तमिलनाडु के मदुरै जिले के उसलामपट्टी शहर में एक कुएं से यह सोना बरामद किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विजयकुमार (30), अजयकुमार (28), अभिषेक (23), चंद्रू (23), मंजूनाथ (32) और परमानंद (30) के रूप में हुई है।

बैंक डकैतों के बड़े गैंग का खुलासा

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह मामला सिर्फ न्यामती बैंक डकैती तक सीमित नहीं था। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के ककराला इलाके से एक और बैंक डकैतों के गिरोह को पकड़ा, जो दक्षिण भारत में कई बैंक डकैतियों को अंजाम दे चुका था।

कैसे काम करता था यह गिरोह?

पुलिस के मुताबिक, ककराला गिरोह की डकैती की शैली न्यामती

बैंक चोरी जैसी ही थी। ये अपराधी आमतौर पर बड़े खेतों से घिरे बैंकों को निशाना बनाते थे। इनकी कार्यप्रणाली...

खिड़की से प्रवेश करते थे।

गैस कटर का उपयोग करके लॉकर काटते थे।

CCTV रिकॉर्डिंग डिवाइस (DVR) लेकर फरार हो जाते थे।

मोबाइल फोन का बहुत कम इस्तेमाल करते थे, ताकि ट्रैक न हो सकें।

देशभर में छापेमारी, पांच और गिरफ्तार

नवंबर 2024 से फरवरी 2025 तक पुलिस की कई टीमों ने गुजरात, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में छापेमारी की। इन अभियानों के बाद पुलिस ककराला गिरोह के पांच सदस्यों - गुड्डू कालिया, असलम, हजारथ अली, कमरुद्दीन और बाबू सहन को पकड़ने में सफल रही।

कर्नाटक में कई बैंक डकैतियों में थे शामिल

ककराला गिरोह पिछले एक दशक से दक्षिण भारत में बैंक डकैती कर रहा था। इनमें शामिल प्रमुख वारदातें...

नवंबर 2024: वारंगल के रायपराथी में रइक शाखा से सोने की चोरी।

नवंबर 2022: कर्नाटक ग्रामीण बैंक, होसाहल्ली शाखा से 15 किलोग्राम सोने की चोरी।

2022: कर्नाटक ग्रामीण बैंक, बेवुरू शाखा से 4 किलोग्राम सोने की चोरी।

कर्नाटक पुलिस की इस बड़ी कार्रवाई में देशभर में फैले बैंक लुटेरों के नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है। पुलिस ने दो अलग-अलग गिरोहों को पकड़ा, जिनका देश के कई राज्यों में बैंक डकैती का लंबा इतिहास रहा है। इससे यह भी साफ हुआ कि बैंक लूट के पीछे बड़े संगठित गिरोह काम कर रहे हैं, जिनका ऑपरेशन गुप्त और तकनीकी रूप से उन्नत होता है।

उत्तराखंड में बड़ा सड़क हादसा, टिहरी में शिक्षकों की कार खाई में गिरी, पति-पत्नी समेत तीन की मौत

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के टिहरी में शिक्षकों की कार चंबा-कोटी कॉलोनी मोटर मार्ग पर बागबाटा के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। जिससे कार में सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि शिक्षक हरिद्वार से सेमंडीधार घनसाली जा रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिक्षक सोनू कुमार (36) निवासी मदनपुर, हसनपुर हरिद्वार अपनी पत्नी मोनिका (36) के साथ शिक्षक विजय प्रकाश जगूड़ी (36) निवासी गुमानीवाला कार से पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज सेमंडीधार ड्यूटी पर जा रहे थे।

शाम को कार चंबा-कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर बागबाटा के पास अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ, पुलिस और एसडीएम मौके पर पहुंचे। तब तक कार सवार तीनों लोगों की मौत हो गई थी। रेस्क्यू टीम ने मशक्कत कर शवों को खाई से निकाला। कार दुर्घटना में

दो शिक्षकों सहित एक महिला की मौत पर शिक्षक संघ और क्षेत्र के लोगों ने दुख जताकर शोक जताया है।

एसडीआरएफ से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस चौकी कोटी कॉलोनी द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि जाखदार के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर 400 मीटर नीचे गहरी खाई में गिर गया है। रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। टीम को मौके पर बताया गया कि तीनों लोग ऋषिकेश से घनसाली मार्ग पर जा रहे थे व अचानक उक्त वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा।

एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पहुंचकर रोप द्वारा खाई में उतरकर उक्त वाहन तक पहुंच बनाई जिसमें 02 पुरूष व 01 महिला मौजूद मिले जिनकी मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी व जिनके शवों को रोप व स्ट्रेचर द्वारा वैकल्पिक मार्ग से होते हुए मुख्य मार्ग तक लाकर जिला पुलिस का सुपुर्द किया गया।

मृतकों का विवरण:-

विजय प्रकाश जगूड़ी उम्र 36 वर्ष,निवासी गुमानीवाला ऋषिकेश।

सोनू कुमार उम्र 36 वर्ष,निवासी मदनपुर हरिद्वार।

शोभा पत्नी सोनू कुमार, निवासी मदनपुर हरिद्वार।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस स्पेशल ट्रेन गर्मी में ऐसे यात्रियों की राह बनाएगी आसान

(जीएनएस)।

रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये 01053/01054 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 09 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं वृहस्पतिवार को तथा बनारस से 10 अप्रैल से 27 जून, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को 24 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

01053 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 09 अप्रैल से 26 जून, 2025 तक प्रत्येक बुधवार एवं वृहस्पतिवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 12.15 बजे प्रस्थान कर ठाणे से 12.38 बजे, कल्याण से 12.55 बजे, ईगतपुरी से 14.45 बजे, नासिक रोड से 15.15 बजे, जलगांव से 18.48 बजे, भुसावल से 19.15 बजे, खण्डवा से 21.00 बजे, दूसरे दिन इटारसी से 00.01 बजे, पिपरिया

से 00.52 बजे, नरसिंहपुर से 01.55 बजे, मदन महल से 03.25 बजे, कटनी से 04.50 बजे, मैहर से 06.40 बजे, सतना से 07.15 बजे, मानिकपुर से 09.02 बजे, प्रयागराज छिवकी से 11.05 बजे तथा वाराणसी से 15.50 बजे छूटकर कर बनारस 16.05 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में 01054 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस द्विसाप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 10 अप्रैल से 27 जून,2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को बनारस से 20.30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन प्रयागराज छिवकी से 02.00 बजे, मानिकपुर से 04.22 बजे, सतना से 05.35 बजे, मैहर से 05.57 बजे, कटनी से 07.10 बजे, मदन महल से 09.40 बजे, नरसिंहपुर से 10.55 बजे, पिपरिया से 12.20 बजे, इटारसी से 15.15 बजे, खण्डवा से 18.13 बजे, भुसावल से 20.15 बजे, जलगांव से 20.42 बजे, नासिक रोड से 23.40 बजे, तीसरे दिन ईगतपुरी से 01.15 बजे, कल्याण से 02.50 बजे तथा ठाणे से 03.13 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 04.40 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 10, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

बहुउद्देशीय शिविरों का ऐतिहासिक आयोजन: सेवा, सुशासन और विकास की नई मिसाल

(जीएनएस)।

प्रदेश सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्तराखंड में "सेवा, सुशासन और विकास" कार्यक्रम के तहत आयोजित बहुउद्देशीय शिविरों का सफल समापन हुआ। इन शिविरों ने जनता और सरकार के बीच की दूरी को कम करते हुए योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया। प्रदेश के हर जिले, हर विधानसभा और हर ब्लॉक स्तर पर आयोजित इन शिविरों में भारी संख्या में नागरिक पहुंचे, जिससे यह साबित हो गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार के विकास कार्यों पर जनता का पूर्ण विश्वास है।

जनभागीदारी से मिली ऐतिहासिक सफलता

22 मार्च से 25 मार्च तक सभी जिला मुख्यालयों में और 24 मार्च से 30 मार्च तक विधानसभा क्षेत्र व ब्लॉक स्तर पर इन बहुउद्देशीय शिविरों का आयोजन किया गया। अल्मोड़ा, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ़, ऊधम सिंह नगर, देहरादून, हरिद्वार, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी और उत्तरकाशी सहित प्रदेश के सभी 13 जनपदों में इन

शिविरों को जबरदस्त जनसमर्थन मिला। हजारों नागरिकों ने इसमें भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। इस व्यापक भागीदारी ने साबित कर दिया कि सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वरोजगार में बड़ा परिवर्तन

इन शिविरों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में लोगों को सीधा लाभ पहुंचाया। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाइयां, टीकाकरण और आयुष्मान भारत योजना के तहत सैकड़ों जरूरतमंदों को राहत मिली। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्ति, पाठ्य पुस्तकें और डिजिटल शिक्षा उपकरण वितरित किए गए, जिससे हजारों छात्र लाभान्वित हुए।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, मुद्रा योजना और स्टार्टअप योजनाओं के तहत युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किसानों को कृषि योजनाओं की जानकारी, अनुदान और आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया, जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ सके।

वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगजनों के लिए विशेष पेंशन शिविरों का आयोजन किया गया, जहां हजारों लाभार्थियों को तत्काल सहायता प्रदान की गई। यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी जरूरतमंद सरकारी सहायता से वंचित न रहे।

जनता ने जताया आभार, सरकार के प्रयासों को सराहा

शिविरों के सफल आयोजन के बाद प्रदेश के कोने-कोने से जनता ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अब योजनाओं का लाभ पाना और अधिक आसान हो गया है। कई लाभार्थियों ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार की नीतियां सिर्फ कागजों तक सीमित नहीं बल्कि धरातल पर क्रियान्वित हो रही हैं। इससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है।

वित्त वर्ष 2024-25 में इरेडा की ऋण स्वीकृतियां 27% बढ़कर ₹47,453 करोड़ हुई, ऋण बही खाता (पुस्तिका) 28% बढ़कर ₹76,250 करोड़ हो गई

(जीएनएस)। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) ने आज अनंतिम आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय लेनदेन में उल्लेखनीय वृद्धि की सूचना दी।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ऋण स्वीकृतियां ₹47,453 करोड़ रहीं, जो पिछले वर्ष के ₹37,354 करोड़ से 27% अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में ₹25,089 करोड़ की तुलना में ऋण वितरण 20% बढ़कर ₹30,168 करोड़ हो गया। बकाया ऋण पुस्तिका में भी 28% की वृद्धि हुई जो 31 मार्च, 2025 तक ₹76,250 करोड़ तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष के ₹59,698 करोड़ से अधिक है।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप कुमार दास ने कहा, " वित्त वर्ष के अंतिम दिन इरेडा के वार्षिक प्रदर्शन की घोषणा करना हमारे निवेशकों के साथ कॉर्पोरेट प्रशासन और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ऋण स्वीकृति, संवितरण और ऋण पुस्तिका में इरेडा की निरंतर वृद्धि अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम अभिनव और सुलभ वित्तपोषण समाधानों के माध्यम से भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

श्री दास ने कहा, "मैं माननीय केंद्रीय मंत्री; माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय; सचिव, एमएनआरई; हमारे निदेशक मंडल; नियामक; और एमएनआरई तथा अन्य मंत्रालयों के अधिकारियों को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं टीम इरेडा के समर्पण और अथक प्रयासों की सराहना करता हूं, जिनकी प्रतिबद्धता हमारी सफलता का आधार है।"

ये अनंतिम आंकड़े लेखापरीक्षा के अधीन हैं।

इंदौर से आयोध्या की यात्रा बिल्कुल मुफ्त, बस करना होगा एमआईसी मेंबर का ये काम

(जीएनएस)। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा अपने बेबाक अंदाज और एक्शन मोड़ के लिए खास पहचान रखते हैं, जहां एक बार फिर एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं के विरूद्ध अभियान छेड़ते हुए ऐसी घोषणा की है, जो अब सुर्खियां बन गई है।

दरअसल, एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं की कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए कालाबाजारी करने वालों की जानकारी देने वालों को इनाम देने की घोषणा की है।

कुछ ऐसा है पूरा मामला

इंदौर नगर निगम में एमआईसी की जिम्मेदारी संभालने के बाद से ही मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं के खिलाफ मुहिम छेड़नी शुरू कर दी थी, जहां इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मनीष शर्मा मामा ने एक खास घोषणा की है। इस घोषणा में मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं की कालाबाजारी की सूचना देने वालों को अयोध्या का टिकट देने की बात कही है। साथ ही इस ऑफर में ना सिर्फ सूचना देने वालों को आयोध्या का टिकट मिलेगा, बल्कि आयोध्या में रहने और खाने की व्यवस्था मनीष मामा ने करने का वादा किया है।

ऑफर सियासत में सुर्खियां बटोर रहा

वहीं अब एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा का ये ऑफर सियासत में सुर्खियां बटोर रहा है, जहां मामा के इस ऑफर की चर्चा हर तरफ हो रही है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं के खिलाफ इस तरह का ऐलान किया हो, इससे पहले मनीष शर्मा मामा लगातार राशन माफियाओं के खिलाफ छापेमार कार्रवाई कर चुके हैं, जिसके बाद उन्हें धमकियां मिली थी, जिसके चलते उन्हें सुरक्षा प्रदान की गई है।

कुलमिलाकर, देखा जाए तो मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा अपने बेबाक अंदाज और एक्शन मोड़ के लिए खास पहचान रखते हैं, जहां एक बार फिर एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा मामा ने राशन माफियाओं के विरूद्ध अभियान छेड़ते हुए ऐसी घोषणा की है, जो अब सुर्खियां बन गई है।

झील महोत्सव के लिए सजने लगे स्विस टेंट, मोटर बोट दौड़ाएंगे दल

(जीएनएस)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में मंडला मार्ग पर स्थित समाधि रोड से आगे बरगी बांध के पहाड़ियों व द्वीपों से घिरे नर्मदा तट पर होने जा रहे झील महोत्सव की तैयारी पूर्णता की ओर है। पांच अप्रैल से आरंभ हो रहा झील महोत्सव में जल, थल और नभ पर साहसिक गतिविधियां देखने मिलेंगी, वहीं शाम को सुरों की सरिता बहेगी। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेटीसीसी) का यह आयोजन 20 अप्रैल तक चलेगा।

झील महोत्सव में बरगी बांध की अथाह जलराशि में जहां मोटर बोट और अन्य राइड का पर्यटक आनंद उठाएंगे, वहीं पानी के बाहर ग्राउंड एक्टिविटिज के अंतर्गत पैरामोटरिंग का रोमांच भी होगा। मोटर बोट दौडाने वाले विशेषज्ञों का दल आयोजन स्थल पहुंच गया है।

साहसिक खेल सतपुड़ा स्पोर्टस क्लब के ट्रेनर कराएंगे। पर्यटकों के रुकने के लिए टेंट सिटी बनाने की तैयारी पूर्णता की ओर है। पर्यटकों के लिए स्विस टेंट में रुकने की व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर लगने वाले डोम के अंदर फूड जोन के साथ विभिन्न उत्पादों के स्टाल यहां पहुंचने वाले लोगों के लिए मनोरंजन में बढ़ोतरी करेंगे। समाधि रोड से आगे बरबटी से एकलव्य हास्टल से आगे नर्मदा के इस सुरम्य तट तक पहुंचा जा सकता है।

जेटीपीसी के सीईओ हेमंत सिंह ने बताया कि, महोत्सव में वाटर स्पोर्टस की वह सभी राइड देखने मिलेंगी जो समुद्र तटीय महानगरों में देखने मिलती हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में होने वाले साहसिक खेलों का आनंद अब यहाँ उठाया जा सकता है। पर्यटन प्रबंधक तरुण मिश्र ने बताया कि यह वाटर कार्नीवाल जबलपुर को पर्यटन के नक्शे में और चमकाएगा।

झील महोत्सव में राजस्थानी कलाकार प्रस्तुति देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य नाटिका के माध्यम से मां नर्मदा की स्तुति के साथ आरंभ होंगे। झील महोत्सव में शिवनारायण का समूह चकरी घूमर चरी, कालबेलिया जैसे राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति देगा। मंच पर जबलपुर के कलाकारों की भी प्रस्तुतियां होंगी।

कुलमिलाकर, देखा जाए तो मध्यप्रदेश के जबलपुर में मंडला मार्ग पर स्थित समाधि रोड से आगे बरगी बांध के पहाड़ियों व द्वीपों से घिरे नर्मदा तट पर होने जा रहे झील महोत्सव की तैयारी पूर्णता की ओर है। पांच अप्रैल से आरंभ हो रहा झील महोत्सव में जल, थल और नभ पर साहसिक गतिविधियां देखने मिलेंगी, वहीं शाम को सुरों की सरिता बहेगी। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेटीसीसी) का यह आयोजन 20 अप्रैल तक चलेगा।

'सॉरी माही...धोनी हैं तो मुमकिन नहीं है', थाला का मैजिक आखिर क्यों पड़ रहा है फीका, जानें वजह

(जीएनएस)। क्रिकेट के इतिहास में सबसे बेहतरीन फिनिशरों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम टॉप पर आता है। लेकिन क्या महेंद्र सिंह धोनी के पास अभी भी वहीं काबिलियत मौजूद है? धोनी ने टीम इंडिया और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए कई सफल रन-चेज का किया है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में धोनी की भूमिका पूरी तरह से अलग हो गई है। आईपीएल 2025 में उन्होंने नंबर 9 पर आकर मैच खेला और इसके बाद से लगातार उन पर सवाल उठ रहे हैं।

फीका पड़ रहा है धोनी का जादू

धोनी का आईपीएल में निचले क्रम पर बैटिंग करने का फैसला कुछ हद तक टीम की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह भी साफ है कि यह सीएसके के लिए परेशानी बढ़ाने का काम कर रहा है। धोनी जब निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो उन पर तेजी से रन बनाने की जिम्मेदारी होती है। वह इसी रोल के लिए जाने जाते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से वह ऐसा करने में असफल रहे हैं।

धोनी नहीं कर पा रहे मैच फिनिश

इस सीजन आरसीबी के खिलाफ सीएसके को घर पर 17 साल बाद हार का सामना करना पड़ा। इसकी एक बड़ी वजह धोनी का लेट बल्लेबाजी के लिए आने को कहा जा रहा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में धोनी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और

11 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हो गए। वह टीम को जीत दिलाने में नाकाम रहे और फिनिश नहीं कर सके।

पिछले दो सीजन से फ्लॉप रहे हैं धोनी

अगर हम 2023 से धोनी के आंकड़ों की बात करें तो देखा गया है कि चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कई बार धोनी को फिनिशिंग रोल में इस्तेमाल किया गया। लेकिन इस दौरान उनकी बल्लेबाजी में उतनी प्रभावी नहीं दिखी, जितनी आम तौर पर वह करते रहे हैं।

ममता बनर्जी के 'गंदे धर्म' वाले बयान ने मचाया घमासान! भिड़ी टीएमसी-भाजपा, कहा-उड़ाया जा रहा हिन्दुओं का मजाक

(जीएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर सियासी पारा चढ़ गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बार विवाद की वजह बना है ममता बनर्जी का बयान, जिसमें उन्होंने बीजेपी की राजनीति को "गंदा धर्म" करार दिया।

ममता बनर्जी ने यह बयान कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित ईद की नमाज के बड़े कार्यक्रम में दिया, जहां हजारों लोग इकट्ठा हुए थे। इस मौके पर ममता ने बीजेपी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी का "गंदा धर्म" असली हिंदू धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी की राजनीति केवल नफरत फैलाने और समाज को बांटने की कोशिश करती है।

मुख्यमंत्री ने सभी समुदायों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की उकसावेबाजी में न फंसे और राज्य में शांति बनाए रखें। उनके इस बयान के बाद बीजेपी ने जोरदार प्रतिक्रिया दी, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है।

BJP का पलटवार

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "आप किस धर्म को 'गंदा' कह रही हैं? क्या वह सनातन हिंदू धर्म है? आपने ईद के कार्यक्रम में ऐसा भड़काऊ भाषण क्यों दिया? यह धार्मिक कार्यक्रम था या राजनीतिक? आप जानबूझकर नफरत फैला रही हैं और समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा कर रही हैं।"

बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी आक्रामक बयान देते हुए कहा, "क्या ममता बनर्जी के लिए सनातन धर्म 'गंदा धर्म' है? उनके शासन में कई हिंदू-विरोधी दंगे हुए हैं और अब वे हिंदुओं की आस्था का मजाक उड़ा रही हैं। उन्होंने एक बार फिर मुसलमानों को हिंदुओं को निशाना बनाने की खुली छूट दे दी है – वो भी एक ईद के मंच से। शर्मनाक।"

TMC ने दिया जवाब

तृणमूल कांग्रेस (TMC) के राज्य उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार ने बीजेपी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ममता बनर्जी ने कभी भी हिंदू धर्म के खिलाफ कुछ नहीं कहा। उन्होंने सिर्फ बीजेपी की सांप्रदायिक राजनीति की आलोचना की।

मजूमदार ने कहा, "उन्होंने कभी हिंदू धर्म के खिलाफ कुछ नहीं कहा। वो सिर्फ बीजेपी की उस सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ बोल रही थीं, जो खुद को हिंदुओं का स्वघोषित रक्षक मानती है।"

क्या कहा ममता बनर्जी ने?

ईद की नमाज के मौके पर ममता बनर्जी ने कहा, "मैं वही धर्म मानती हूं जो श्री रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद ने सिखाया। मैं उस 'गंदा धर्म' को नहीं मानती जो उन्होंने (BJP) ने बनाया है। वे तो खुद हिंदू धर्म के खिलाफ हैं।"

ममता बनर्जी ने कहा कि कोई भी धर्म इंसानों के खिलाफ नफरत फैलाने की बात नहीं करता, लेकिन कुछ नेता और राजनीतिक पार्टियां अपने फायदे के लिए नफरत भड़काते हैं।

दंगों को रोकने की अपील

उन्होंने लोगों से अपील की, "दंगे भड़काने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन आप इन जालों में न फंसे। पश्चिम बंगाल सरकार अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी है। किसी भी राज्य में तनाव नहीं फैला सकता।"

ममता बनर्जी ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए पूछा, "अगर उन्हें (बीजेपी) अल्पसंख्यकों से दिक्कत है, तो क्या वे देश का संविधान बदल देंगे?" उन्होंने सभी धर्मों का सम्मान करने की बात कही और बीजेपी की "विभाजनकारी राजनीति" को "जुमला राजनीति" कहा।

लेफ्ट पर भी निशाना

ममता बनर्जी ने लेफ्ट पर भी निशाना साधते हुए कहा, "लाल और भगवा मिल गए हैं। लेकिन निश्चिंत रहें, मैं आपको कोई नुकसान नहीं होने दूंगी।"

लखनऊ में आईपीएल मैच को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी, जानें किन रास्तों पर होगी दिक्कत और कहां पार्किंग?

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 1 अप्रैल 2025 को लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच IPL मैच खेला जाएगा। इस दौरान भारी भीड़ और ट्रैफिक की समस्या को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। अगर आप भी मैच देखने जा रहे हैं, तो जान लें कि किन रास्तों पर ट्रैफिक रहेगा और पार्किंग की क्या व्यवस्था होगी।

अगर कोई वीवीआईपी स्टेडियम में आ रहा है, तो उनके साथ आने वाले सुरक्षा स्कॉर्ट वाहनों को अंदर जाने की इजाजत नहीं होगी। इन्हें मॉल या पुलिस हेडक्वार्टर (PHQ) के पीछे पार्क किया जाएगा। इसके अलावा, स्टेडियम और प्लासियो मॉल के आसपास गलत तरीके से पार्क की गई गाड़ियों पर टोइंग और क्लैंपिंग की कार्रवाई होगी।

इकाना स्टेडियम एंट्री और टिकट से जुड़े नियम

मैच के दिन टिकट की बिक्री नहीं होगी, इसलिए पहले से टिकट खरीदना जरूरी है। मैच देखने के लिए इकाना में प्रवेश के लिए टिकट की हार्ड कॉपी यानी प्रिंट आउट दिखाना होगा, डिजिटल कॉपी नहीं चलेगी।

मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले एंट्री दी जाएगी, लेकिन दूसरी पारी शुरू होने के बाद एंट्री नहीं मिलेगी।

एक बार स्टेडियम से बाहर निकलने पर दोबारा एंट्री नहीं मिलेगी।

सिक्के, इयरफोन और ज्वलनशील पदार्थ ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा।

मेट्रो सेवा का विस्तार

क्रिकेट प्रेमियों की सुविधा के लिए लखनऊ मेट्रो ने अपने संचालन समय को बढ़ाकर रात 12:30 बजे तक कर दिया है। यह सेवा दोनों टर्मिनल स्टेशनों से उपलब्ध होगी, जिससे दर्शकों को घर लौटने में आसानी होगी।

सार्वजनिक परिवहन के लिए निर्देश

बसें और व्यावसायिक वाहनः मैच के दौरान शहीद पथ पर बसों और अन्य व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। सुल्तानपुर रोड से आने वाले वाहनों को अमूल तिराहे से डायवर्ट किया जाएगा, जबकि अर्जुनगंज कैंट की ओर से आने वाले वाहनों को कटाई पुल से निकाला जाएगा।

ऑटो और ई-रिक्शाः शहीद पथ पर ऑटो और ई-रिक्शा का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। अर्जुनगंज की तरफ से आने वाले ई-रिक्शा और ऑटो अहिमामऊ से बाएं मुड़कर पीएचक्यू, यूपी-112, मातृत्व अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर सवारियों को उतार और बैठा सकेंगे।

निजी वाहनों के लिए पार्किंग

जिन वाहन स्वामियों के पास वैध पास हैं, वे अहिमामऊ से एचसीएल की तरफ जाकर वाटर टैंक तिराहा होते हुए प्लासियो मॉल के पास चिह्नित पार्किंग में अपने वाहन पार्क कर सकेंगे। प्लासियो मॉल की पार्किंग फुल होने पर वाहन वाटर टैंक तिराहे से एचसीएल तक पार्क किए जाएंगे।

क्या रखें ध्यान?

अगर आप मैच देखने जा रहे हैं, तो इस एडवाइजरी का पालन करें, ताकि किसी तरह की दिक्कत न हो। ट्रैफिक से बचने के लिए थोड़ा पहले निकलें और पार्किंग नियमों का पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने पर गाड़ी टो की जा सकती है।

मुंबई इंडियंस के नए स्टार गेंदबाज अश्विनी कुमार कितने अमीर? परिवार में कौन-कौन?

(जीएनएस)। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस की ओर से डेब्यू करने वाले अश्विनी कुमार ने अपने पहले ही मैच में जबरदस्त प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय यह तेज गेंदबाज पहली ही गेंद पर अजिंक्य रहाणे का विकेट लेने के बाद चर्चा में आ गए। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 4 विकेट चटकाकर सभी को प्रभावित किया।

मुंबई इंडियंस ने अश्विनी कुमार को 2025 की मेगा नीलामी में 30 लाख रुपये में खरीदा था। इससे पहले वह पंजाब किंग्स टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। आइए जानते हैं अरॅ६ंल्ल ङ४ें१ से जुड़ी सभी बातें...

घरेलू क्रिकेट और परफॉर्मेंस

अश्विनी ने 2022 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पंजाब के लिए डेब्यू किया था। हालांकि, वह अब तक केवल चार टी20 मैच खेल पाए हैं, जिसमें उन्होंने 8.50 की इकॉनमी रेट से तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा, वह पंजाब के लिए दो प्रथम श्रेणी और चार लिस्ट ए मुकाबलों में भी खेल चुके हैं।

अरॅ६ंल्ल ङ४ें१ लङ्ङी ळङ्ङ६ल्लः कहां के निवासी हैं अश्विनी कुमार?

अश्विनी कुमार पंजाब के मोहाली जिले के झंजेरी गांव से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता सतनाम सिंह और मां सरबजीत कौर ने उनके क्रिकेट करियर में बड़ा सहयोग दिया है।

आईपीएल में जर्सी नंबर

अश्विनी कुमार इस समय मुंबई इंडियंस की टीम में जर्सी नंबर 42 पहनकर खेल रहे हैं।

अश्विनी कुमार की नेट वर्थ

अभी तक अश्विनी कुमार की नेट वर्थ पर कोई पक्की जानकारी नहीं है, लेकिन आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट और घरेलू क्रिकेट से उनकी कमाई बढ़ रही है। उन्होंने आईपीएल 2025 में 30 लाख रुपये की डील साइन की है।

अश्विनी कुमार का आईपीएल करियर अभी शुरू हुआ है और वह भविष्य में अपनी नेट वर्थ और क्रिकेटिंग करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। अगर वह इसी तरह प्रदर्शन करते रहे, तो आने वाले सालों में उनकी नेट वर्थ में जबरदस्त इजाफा हो सकता है।

जबलपुर में बस पर बवाल, श्लढ-बजरंग दल ने रोका, थाने में मारपीट, धर्मांतरण या तीर्थ यात्रा, जानिए सच

(जीएनएस)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोमवार, 31 मार्च 2025 को उस वक्त हंगामा मच गया, जब विश्व हिंदू परिषद (श्लढ) और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक यात्री बस को बीच सड़क पर रोककर हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। मामला भंवरताल पार्क से शुरू हुआ और रांझी थाने तक जा पहुंचा। संगठनों का दावा है कि बस में मंडला के महाराजपुर से लाए गए आदिवासी लोगों को चोरी-छिपे धर्म परिवर्तन के लिए ले जाया जा रहा था। लेकिन बस में सवार यात्रियों ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा, "हम अपनी मर्जी से चर्च की तीर्थ यात्रा पर निकले थे।" इस बीच, थाने में मारपीट और पुलिस से बहस ने इस घटना को और सनसनीखेज बना दिया।

बस रोककर शुरू हुआ तमाशा

सुबह करीब 8:30 बजे VHP को सूचना मिली कि मंडला से दो बसें संदिग्ध तरीके से जबलपुर आ रही हैं। संगठन के कार्यकर्ता तुरंत हरकत में आए और भंवरताल पार्क के पास एक बस को रोक लिया। दूसरी बस मौके से निकल भागी, लेकिन पहली बस का ड्राइवर भी भागने की कोशिश में

जुट गया। कार्यकर्ताओं ने उसका पीछा किया और रांझी इलाके में उसे दबोच लिया। बस में करीब 50 लोग सवार थे, जिन्हें संगठन ने "धर्मांतरण का शिकार" बताते हुए सीधे रांझी थाने पहुंचा दिया। वहां से शुरू हुआ पूछताछ का सिलसिला, जो जल्द ही गहमागहमी में बदल गया।

यात्रियों का जवाबः "हम तो तीर्थ यात्रा पर थे!"

बस में सवार एक युवती ने पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई, जो संगठन के दावों से बिल्कुल उलट थी। उसने कहा, "हम लोग अपनी मर्जी से तीर्थ यात्रा पर निकले थे। बस हमें भंवरताल और रांझी के चर्च ले जा रही थी। अचानक कुछ अंकल आए, हमें रोका और थाने ले आए। वे कह रहे हैं कि हमें बहकाया गया, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। हमने 500-500 रुपये किराया देकर खुद ये यात्रा प्लान की थी।" अन्य यात्रियों ने भी यही बात दोहराई और कहा कि वे ईस्टर से पहले चर्चों के दर्शन के लिए निकले थे।

VHP का दावाः "आईडी में क्रिश्चियन नहीं, तो धर्मांतरण पक्का"

विश्व हिंदू परिषद के सदस्य संजय तिवारी ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा, "अगर ये लोग क्रिश्चियन हैं, तो उनकी आईडी में भी यही दर्ज होना चाहिए। लेकिन इनके आधार कार्ड में तो आदिवासी लिखा है। हमें शक है कि इन्हें बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए ले जाया जा रहा था।" तिवारी ने बताया कि सुबह सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे थे, जहां दो बसें दिखीं। एक बस भाग निकली, लेकिन दूसरी को रोककर वे थाने ले आए। संगठन का आरोप है कि यह सब एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था।